

Written by B4M

Wednesday, 02 March 2011 20:19

---

जयपुर : राजस्थान पत्रकारिता में आज के अंक में मुख्य पेज पर प्रकाशित अग्रलेख में पत्रकारिता के लेखकों की गई टिप्पणी से प्रदेश भर के पत्रकारों में आक्रोश है। इस टिप्पणी के लेख बुधवार के विभिन्न पत्रकार संगठनों के प्रेस क्लब में एक बैठक हुई। बैठक में विभिन्न पत्रकारों ने राजस्थान पत्रकारिता में प्रकाशित लेख पर ऐतराज किया।

उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी के प्रकाशित करने से पहले राजस्थान पत्रकारिता प्रबंधन अपने गरिबां में झांक्ता। अगर पत्रकारिता प्रबंधन राज्य सरकार की ओर से पत्रकारों को दी गई सुविधाओं के भ्रष्टाचार की श्रेणी में मानता है तो उसे अब तक माली सभी सुविधाओं को छोड़ देना चाहिए। सरकार की ओर से राजस्थान पत्रकारिता के सभी शहरों में रथियती दरों पर माली जमीनों को वापस लौटाना चाहिए। इसके साथ ही सरकारी वजिजापनों का मोह भी त्यागना चाहिए।

पत्रकारों ने कहा कि पत्रकारिता प्रबंधन को चाहिए कि पत्रकार समूह के विभिन्न समाचार पत्रों में काम कर रहे पत्रकारों को माली सुविधाओं को वापस करें जिनमें पत्रकार कॉलोनी में माली भूखंड भी शामिल है। इसके साथ ही जयपुर में जेएलएन मार्ग स्थित कुलशि स्मृतिवन का नाम भी बदलवाने की कार्यवाही करें।

बैठक में पत्रकारिता प्रेस क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़, महासचिव नीरज मेहरा, राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष ईशमधु तलवार, महासचिव हरीश गुप्ता, राजस्थान पत्रकार परिषद के अध्यक्ष एलएल शर्मा, महासचिव राजेंद्र गुप्ता, लघु व मध्यम समाचार पत्रों के प्रदेशाध्यक्ष बीएम शर्मा, राजस्थान स्माल एंड मडियम न्यूज पेपर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक भटनागर, राजस्थान पत्रकार संघ के पदाधिकारियों के अलावा कई वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे। प्रेस वजिजापत्ति